

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्रस्तावना

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 188] नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 30, 1970/कार्तिक 8, 1892
 No 188] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 30, 1970/KARTIKA 8, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

ORDER

New Delhi, the 30th October 1970

G.S.R. 1865.—In exercise of the powers conferred by section 63 of the Assam Reorganisation (Meghalaya) Act, 1969 (55 of 1969), the Central Government, after consultation with the Governments of Assam and Meghalaya, hereby constitutes a committee consisting of—

- (i) the Chief Minister of Assam,
- (ii) the Chief Minister of Meghalaya, and
- (iii) one Minister each from Assam and Meghalaya,

for advising the two Governments on matters of common interest with respect to Shillong in the field of education and water supply in particular, and with respect to its development and administration in general:

Provided that if for any reason the Chief Minister of Assam or the Chief Minister of Meghalaya is unable to attend any meeting of the Committee, a Minister nominated by the Chief Minister concerned may attend the meeting on his behalf.

2. The Chief Minister of Assam and the Chief Minister of Meghalaya shall alternately preside over the meetings of the Committee and whenever either Chief Minister is absent, the other Chief Minister shall preside and in case both Chief Ministers are absent, members present at a meeting may decide as to who should preside over the meeting.

[No. F.1/35/70-SR.]

M. G. PIMPUTKAR, Special Secy.

गृह मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1970

सां. कां. निं. 1865.—असम पुनर्गठन (मेघालय) अधिनियम 1969 (1969 का 55) की धारा 63 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार असम और मेघालय की सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् दोनों सरकारों की शिलों के बाबत समान हित के मामलों, विशेषतः शिक्षा और जल-प्रदाय के क्षेत्र में और साधारणतः इसके विकास और प्रशासन की बाबत सलाह देने के लिए एतद्वारा एक समिति गठित करती है जिसमें निम्नलिखित होंगे:

- (i) असम का मुख्य मंत्री
- (ii) मेघालय का मुख्य मंत्री; और
- (iii) असम और मेघालय, प्रत्येक से एक-एक मंत्री;

परन्तु यदि किसी कारण से असम का मुख्य मंत्री या मेघालय का मुख्य मंत्री समिति की किसी बैठक में भाग लेने में असमर्थ है तो संबंधित मुख्य मंत्री द्वारा नामनिर्देशित मंत्री उसी की ओर से बैठक में भाग ले सकता है।

2. असम का मुख्य मंत्री और मेघालय का मुख्य मंत्री समिति की बैठकों की अध्यक्षता बारी बारी से करेंगे और जब कभी दोनों मुख्य मंत्रियों में से कोई भी अनुपस्थित हो तो दूसरा मुख्य मंत्री अध्यक्षता करेगा और यदि दोनों मुख्य मंत्री अनुपस्थित हों तो बैठक में उपस्थित सदस्य यह निर्दिष्ट कर सकेंगे कि बैठक की अध्यक्षता किसे करनी चाहिए।

[सं. फा० 1/35/70-एस० आर०]

मो० ग० पिम्पुटकर,
विशेष सचिव ।